उर्वरक की कतिपय किस्मों पर राज सहायता

698. **श्री वीरन जे० शाह** : क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अगस्त, 1992 में उर्वरक नीति की घोषणा किए जाने के साथ सरकार ने उवरकों को कतिपय किस्मों से राज सहायता समाप्त करने की घोषणा की थी ; और

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि सरकार ने देश के उर्वरक उद्योग में और कृषि क्षेत्र में व्याप्त स्थितियों के कारण वित्त वर्ष 1991–92 के लिए उर्वरकों पर राजसहायता के रूप में कुल धनराशि आवंटित की थी ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) और (ख) 25 अगस्त, 1992 से फॉस्फेट युक्त तथा पोटाश युक्त सभी उर्वरकों पर मूल्य, वितरण तथा संचलन संबंधी नियंत्रण हटा लिया गया है, जिससे उनके मूल्यों में वृद्धि हुई है । अतः सरकार ने रबी 1992–93 के दौरान किसानों को इन नियंत्रण रहित उर्वरकों की रियायती बिक्री के लिए 340 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है ।

Agitation of Farmers against multinational companies

699. SHRI O. RAJGOPAL:
SHRI SANGH PRIYA GAUTAM:
DR. NAUNIHAL SINGH:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government has allowed multinational seed companies to expand their activities in the country; if so, the reasons therefor;

(b) whether Government are aware of the countrywide agitation of farmers against such a decision, if so, what steps Government have taken to satisfy them;

(c) whether Government are aware of the agitation the Karnataka Rajya Raitha Sangha (KRRS) against the Cargill Seeds Company; and

(d) if so, what steps Government have taken to satisfy the demands of the Karnataka Rajya Raitha Sangha, with details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI S. KRISHNA KUMAR): (a) Multinational companies have been permitted to enter the area of certified high yielding seeds from 1986, in keeping with the policy of Government to make available to Indian farmers the best quality planting material.

(b) to (d) Yes, Sir. The interest of the farmers are protected as per Seed policy of the Government which is under implementation.

पौधों को सीधे वायुमंडल से नाइट्रोजन दिया जाना

700. **श्री सोमपाल :**
श्री एच० हनुमनतप्पा :
श्री राधाकिशन मालवीय :

क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पन्तनगर ने वायुमंडल में विद्यमान नाइट्रोजन को सीधे पौधों द्वारा ग्रहण कराए जाने पर शोध आदि कार्य किया है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में क्या प्रगति की गई है तथा अभी तक इसके क्या परिणाम सामने आए हैं ;

(ग) क्या इसी प्रकार का अनुसंधान कार्य अन्य कृषि विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में भी चल रहा है ;